सं. अ. 5-1/2022- ईई.1

भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

नई दिल्ली, 5 जुलाई, 2022

कार्यालय ज्ञापन

विषयः मई, 2022 माह का कैबिनेट के लिए मासिक सार - के संबंध में।

अधोहस्ताक्षरी को मई 2022 के लिए स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग की महत्वपूर्ण गतिविधियों से संबंधित मासिक सार की एक प्रति कैबिनेट के लिए परिचालित करने का निर्देश हुआ

संलग्नक : उपरोक्तानुसार

राजेश सैम्पले

(राजेश सैम्पले)
अवर सचिव, भारत सरकार
दूरभाष सं: 011-23384589

सेवा में

1. सभी मंत्रिपरिषद
2. भारत सरकार के सभी मंत्रालय/ विभाग के सचिव।
3. भारत के राष्ट्रपति के सचिव (राष्ट्रपति के सचिव), राष्ट्रपति भवन , नई दिल्ली।
4. भारत के उपराष्ट्रपति के सचिव (उप- राष्ट्रपति के सचिव), मौलाना आजाद रोड, नई दिल्ली।

जानकारी के लिए कॉपी:

- माननीय शिक्षा मंत्री के निजी सचिव
- राज्य मंत्री के निजी सचिव, शिक्षा मंत्रालय
- सचिव (एसईएंडएल) के पीपीएस

राजेश सैम्पले

(राजेश सैम्पले)
अवर सचिव, भारत सरकार
दूरभाष सं: 011-23384589

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

मई, 2022 के लिए कैबिनेट के लिए मासिक सार

I. वित्तीय उपलब्धियां:रिलीज/

31 मई, 2022 तक बीई का 3.19 % जारी किया गया था।

II. महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और गतिविधियाँ:पहल/

क. नीति संबंधी चर्चा:बैठकें/

महत्वपूर्ण मुद्दे/विकास

क्र. सं.	विषय	संक्षेप
1	राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन की समीक्षा।	07.05.2022 को, माननीय प्रधान मंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन की समीक्षा की। इस बैठक में श्री धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा (एमओई) और कौशल विकास और उद्यमिता (एमएसडीई) मंत्री, श्री राजीव चंद्रशेखर, एमएसडीई में राज्य मंत्री, श्री सुभाष सरकार, एमओएस, एमओई, श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, एमओएस, एमओई और श्री राजकुमार रंजन सिंह एमओएस, एमओई और एमईए और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।
2	एनएएस 2021	25.05.2022 को, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग ने राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) 2021 रिपोर्ट जारी की। पिछला एनएएस 2017 में आयोजित किया गया था और इसे 3 वर्षों के चक्र में आयोजित किया जाता है। एनएएस 2021 अखिल भारतीय स्तर पर दिनांक 12.11.2021 को आयोजित किया गया था और इसमें (क) सरकारी स्कूल (केंद्र सरकार और राज्य सरकार); (ख) सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल; और (ग) निजी गैर सहायता प्राप्त स्कूल शामिल थे। इसमें कक्षा 3 और 5 के लिए भाषा, गणित और ईवीएस; कक्षा 8 के लिए भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान और कक्षा 10 के लिए भाषा, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और अंग्रेजी विषय शामिल हैं। एनएएस में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के 720 जिलों के 1.18 लाख स्कूलों के लगभग 34 लाख छात्रों ने भाग लिया है। NAS सावधानीपूर्वक विकसित और क्षेत्र-परीक्षित मदों के माध्यम से स्कूली शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर छात्रों द्वारा हासिल की गई

क्र. सं.	विषय	संक्षेप
		दक्षताओं और कौशलों का आकलन करता है। नेशनल रिपोर्ट कार्ड जारी कर दिया गया है और इसे nas.gov.in पर पब्लिक डोमेन में डाल दिया गया है। यह उपयुक्त स्तरों पर परिणामों के विश्लेषण और उपचारात्मक कार्रवाई को सक्षम बनाएगा। रिपोर्ट जेंडर (महिला, पुरुष), क्षेत्र (ग्रामीण और शहरी), स्कूलों के प्रबंधन (सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और निजी गैर सहायता प्राप्त) और सामाजिक समूहों (अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा समुदाय (ओबीसी) और सामान्य के आधार पर सभी विषयों में प्रदर्शन पर आधारित है। एनएएस 2021 के निष्कर्षों के आधार पर विभाग: ➢ पाठ्यचर्या सुधार शुरू करेगा ➢ अधिगम के लक्ष्य निर्धारित करेगा और उनकी निगरानी करेगा ➢ कक्षा अभ्यासों और शिक्षक प्रशिक्षण में संशोधन करेगा ➢ छात्रों के अधिगम में सहायता करने हेतु घर और स्कूल के बीच संबंध सुधारने के तरीकों की जानकारी देगा ➢ पाठ्यचर्या विकास, पाठ्यपुस्तक विकास और शिक्षक प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में हितधारकों और अभ्यासकर्ताओं को सूचित करने के लिए नीतिगत संक्षिप्त विवरण तैयार करेगा ➢ एनएएस 2021 डेटा के आधार पर विषयगत रिपोर्ट (शिक्षकों, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकों के लिए निहितार्थ, कक्षा अभ्यास और शिक्षक प्रशिक्षण, छात्र गलत धारणा रिपोर्ट, सीखने में इक्विटी पर रिपोर्ट) तैयार करेगा। ➢ सह-व्याख्यात्मक कार्यशालाओं, प्रसार कार्यशालाओं का आयोजन करेगा, सीखने के स्तर में सुधार के लिए दीर्घकालिक, मध्य-अवधि और अल्पकालिक हस्तक्षेप विकसित करने में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों का समर्थन करेगा, आगे की शोध गतिविधियों के लिए एनएएस 2021 डेटा का उपयोग करेगा

<table>
<tr><th>क्र. सं.</th><th>विषय</th><th>संक्षेप</th></tr>
<tr><td>3</td><td>एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी)</td><td>एनसीटीई ने अपनी सार्वजनिक सूचना दिनांक 01.05.2022 द्वारा, एनसीटीई विनियम, 2014 के उप-विनियम 5 के संदर्भ में, जैसा कि समय-समय पर संशोधित किया गया है, दिनांक 01.05.2022 से 31.05.2022 की अवधि के दौरान केंद्र सरकार और राज्य सरकार के संस्थानों से पायलट आधार पर एनसीटीई ने एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों (आईटीईपी) के लिए शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। प्राप्त आवेदनों का क्षेत्रवार विवरण इस प्रकार है:-
<table>
<tr><th>क्र.सं.</th><th>क्षेत्र</th><th>प्राप्त आवेदनों की संख्या</th></tr>
<tr><td>1.</td><td>पूर्वी क्षेत्रीय समिति</td><td>82</td></tr>
<tr><td>2.</td><td>उत्तरी क्षेत्रीय समिति</td><td>41</td></tr>
<tr><td>3.</td><td>दक्षिणी क्षेत्रीय समिति</td><td>34</td></tr>
<tr><td>4.</td><td>पश्चिमी क्षेत्रीय समिति</td><td>38</td></tr>
</table>
जैसा कि दिनंक 22 अक्टूबर 2021 को अधिसूचित किया गया है, आईटीईपी एक दोहरी प्रमुख समग्र स्नातक डिग्री है जो बी.ए. बी.एड./बी.एससी. बी.एड. और बी.कॉम. बी.एड. की पेशकश करती है। यह शिक्षक शिक्षा से संबंधित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख आदेशों में से एक है। यह शुरू में देश भर के बहु-विषयक केंद्र/राज्य सरकार के विश्वविद्यालयों/संस्थानों में प्रायोगिक मोड में पेश किया जाएगा। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा नेशनल कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (एनसीईटी) के जरिए प्रवेश दिया जाएगा।
राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने एनईपी 2020 के अनुसार इस पाठ्यचर्या के लिए पाठ्यक्रम इस तरह तैयार किया है कि यह एक छात्र-शिक्षक को शिक्षा में डिग्री के साथ-साथ इतिहास, गणित, विज्ञान, कला, अर्थशास्त्र या वाणिज्य जैसे विशेष अनुशासन में भी सक्षम बनाता है। आईटीईपी न केवल अत्याधुनिक शिक्षाशास्त्र प्रदान करेगा बल्कि बचपन की देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई), मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (एफएलएन), समावेशी शिक्षा, और भारत और दूसरों के बीच इसके मूल्यों/लोकाचार/कला/परंपराओं की समझ में एक नींव भी स्थापित करेगा। इस एकीकृत पाठ्यक्रम से छात्रों को लाभ होगा क्योंकि वे वर्तमान बी.एड योजना के लिए आवश्यक प्रथागत पांच वर्षों के बजाय चार वर्षों में इसे पूरा करने से</td></tr>
</table>

क्र. सं.	विषय	संक्षेप
		एक वर्ष की बचत करेंगे। राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) ने एचईआई / टीईआई के शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की मान्यता की पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया है - पाठ्यक्रम के लिए आवेदन आमंत्रित करने के समय से लेकर संस्थान के निरीक्षण सहित मान्यता आदेश जारी करने के चरण तक। 4 वर्ष के आईटीईपी आवेदनों के लिए आवेदन इस पोर्टल के माध्यम से संसाधित किए जाएंगे।
4	लू के दुष्प्रभावों से निपटने के लिए स्कूलों द्वारा बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में दिशा-निर्देश	11 मई 2022 को, शिक्षा मंत्रालय ने लू के दुष्प्रभावों से निपटने के लिए स्कूलों द्वारा बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए। छात्रों के लिए क्या करें और क्या न करें के अलावा, दिशानिर्देशों में स्कूल के समय और दैनिक दिनचर्या में संशोधन के लिए सुझाव, छात्रों को स्कूलों से लाने और ले जाने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां, छात्रों को स्वस्थ और ताजा खाद्य पदार्थ खाने और पर्याप्त हाइड्रेशन बनाए रखने के लिए परामर्श, स्थानीय पारंपरिक प्रथाओं ('खस' के पर्दे, बांस / जूट की चिक आदि) के माध्यम से कक्षाओं को आरामदायक बनाना, आरामदायक वर्दी पहने छात्र, ओआरएस घोल के पाउच या नमक और चीनी का घोल सहित प्राथमिक चिकित्सा किट की उपलब्धता, आदि भी शामिल हैं। दिशानिर्देशों में परीक्षा केंद्रों और आवासीय स्कूलों में किए जाने वाले उपायों को भी शामिल किया गया है।
5	मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक मिशन	• निपुण भारत के तहत मूलभूत साक्षरता अध्ययन के लिए राष्ट्रीय संचालन समिति की 12वीं बैठक दिनांक 09.05.2022 को आयोजित की गई थी। निपुण भारत मिशन का समर्थन करने के लिए 'बुनियादी शिक्षा में सामुदायिक जुड़ाव: देश भर में पहल और अध्ययन' पर एक दस्तावेज तैयार किया गया है और सभी राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों के मिशन निदेशकों के साथ साझा किया गया है। इस विभाग द्वारा निपुन भारत मिशन गान और लघु फिल्म तैयार की गई थी, जिसे व्यापक पहुंच हेतु निपुन भारत मिशन को लोकप्रिय बनाने के लिए निम्नलिखित माध्यमों से प्रसारित किया गया था:

क्र. सं.	विषय	संक्षेप
		○ पीएम ईविद्या डीटीएच टीवी चैनल ○ केबल नेटवर्क: डीडी फ्री डिश, ज़ी डिश टीवी, टाटाप्ले चैनल #756, एयरटेल चैनल #436, #437, #440, वीडियोकॉन #475, डीईएन #525, #517, #527, सन डायरेक्ट #793 और जियो टीवी मोबाइल ऐप ○ सोशल मीडिया अकाउंट जैसे ट्वीटर, फेसबुक आदि। • राष्ट्रीय संसाधन समूह (एनआरजी), अकादमिक टास्क फोर्स (एटीएफ) और जिला टास्क फोर्स (डीटीएफ) की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर दिशा-निर्देश राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों और एनसीईआरटी को निपुण भारत मिशन के कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए आवश्यक कार्रवाई के लिए जारी किए गए हैं।
6	नव भारत साक्षरता कार्यक्रम (एनआईएलपी)	वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान न्यू इंडिया लिटरेसी प्रोग्राम (एनआईएलपी) योजना के कार्यान्वयन के लिए वार्षिक कार्य योजना और बजट (एडब्ल्यूपी एंड बी) पर विचार करने के लिए परियोजना अनुमोदन बोर्ड (पीएबी) की बैठक दिनांक 04.05.2022 को वर्चुअल मोड के माध्यम से देश के सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ सचिव (एसई एंड एल) की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। वित्तीय वर्ष 2022-23 में एनआईएलपी के कार्यान्वयन के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को केंद्रीय हिस्से के रूप में कुल 136.23 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई थी।
7	एनसीटीई में संशोधन (विनियमन, मानदंड और प्रक्रियाएं), 2014	एनईपी, 2020 के आलोक में और परिषद की सामान्य सभा के 10 सितंबर, 2021 को हुई अपनी 53वीं बैठक में ऑनलाइन वीटी के संबंध में एजेंडा संख्या 7, एनसीटीई (विनियमन, मानदंड और प्रक्रिया), 2014 में संशोधन के निर्णय के आलोक में दिनांक 28.11.2014 को अधिसूचित भारत के राजपत्र में दिनांक 05.05.2022 को प्रकाशित किया गया। इस ऑनलाइन मॉड्यूल में उपयोग की जाने वाली विशेषताएं जैसे कि जियोटैगिंग, जियोरेफरेंसिंग और लगभग शून्य भौतिक मानव इंटरफ़ेस सिस्टम को कुशल, पारदर्शी, लागत प्रभावी, जवाबदेह और फुल-प्रूफ बना देगा जो देश में चल रहे उप-मानक टीईआई/एचईआई को पहचानने और बंद करने में बहुत सहायक होगा। पूरी निरीक्षण प्रक्रिया ऑनलाइन होगी और रिकॉर्ड की जाएगी और यह एआईसीटीई द्वारा किए गए

क्र. सं.	विषय	संक्षेप
		निरीक्षणों के अनुरूप भी है।
8	विद्या प्रवेश	○ विद्याप्रवेश गूगल ट्रैकर के माध्यम से राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में विद्याप्रवेश कार्यक्रम के क्रियान्वयन की स्थिति की भी निगरानी की जा रही है। अब तक 36 राज्यों में से 35 राज्यों ने प्रतिक्रिया दी है और 35 में से एक राज्य (सिक्किम) ने उल्लेख किया है कि उनके राज्य में विद्याप्रवेश के कार्यान्वयन पर चर्चा चल रही है। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में विद्याप्रवेश कार्यक्रम के कार्यान्वयन की स्थिति निम्नलिखित है: ○ 34 राज्यों ने 2022-23 से विद्याप्रवेश कार्यक्रम लागू करना शुरू कर दिया है ○ 34 राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों में से, 4 ने इसे अंग्रेजी में अपनाया है, 16 ने इसे अपनी स्थानीय भाषा में संदर्भित और अनुवादित किया है, जबकि 13 ने एनसीईआरटी के विद्याप्रवेश दिशानिर्देशों के आधार पर अपना विकास किया है और 1 विकसित होगा। ○ 35 प्रतिवादी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में से 17 ने केवल निष्ठा एफएलएन के माध्यम से विद्याप्रवेश कार्यक्रम में प्रशिक्षण शुरू किया है और 3 केवल उनके द्वारा विकसित मॉड्यूल के माध्यम से कर रहे हैं, 10 दोनों मोड के माध्यम से और 5 राज्यों ने विद्याप्रवेश कार्यक्रम के प्रशिक्षण घटक के लिए प्रतिक्रिया नहीं दी है। 2. माननीय ईएम के कार्यालय द्वारा साझा किए गए निम्नलिखित दस्तावेजों की समीक्षा की गई है और रिपोर्ट तैयार की गई है: • आरोही "उत्तराखंड राज्य का विद्या प्रवेश मॉड्यूल" • डीपीएस "पाठ्यक्रम 2020- डिजाइन शासन।"
9	राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना (एनसीएलपी) पर स्पष्टीकरण	श्रम और रोजगार मंत्रालय ने अपने पत्र दिनांक 14.03.2022 के माध्यम से सभी राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को अवगत कराया है कि एमओएलई की राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना (एनसीएलपी) योजना को डीओएसईएल की स्मागशिक्षा योजना में सम्मिलित / विलय कर दिया गया है। विलय के वास्तविक तौर-तरीकों के संबंध में विभाग

क्र. सं.	विषय	संक्षेप
		में विभिन्न हितधारकों/कार्यान्वयन एजेंसियों से कई अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। 17 मई 2022 को, डीओएसईएल द्वारा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह स्पष्ट किया गया था कि एमओएलई के परामर्श से दो योजनाओं के विलय के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश / तौर-तरीके / प्रक्रियाओं पर काम किया जा रहा है। इस बीच, सभी राज्य/ संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारें बाल श्रम और किशोर (निषेध और विनियमन) अधिनियम, 1986 में अनिवार्य रूप से बाल श्रमिकों की पहचान करना और उनका बचाव करना जारी रख सकती हैं। इन बच्चों को आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद स्माग्रशिक्षा के माध्यम से सीधे स्कूलों में या जिले में संचालित विशेष प्रशिक्षण केंद्र द्वारा समग्र शिक्षा के माध्यम से मुख्यधारा में लाया जाएगा।

ख. स्वायत्त निकाय गतिविधियां

संगठन	गतिविधि
केंद्रीय विद्यालय संगठन (के.वि.सं.)	• एनईपी-2020 मंत्रालय द्वारा केवीएस को सौंपे गए विभिन्न कार्यों के संबंध में 31 मई, 2022 तक इस संबंध में की गई प्रगति का विवरण इस प्रकार है: ➢ कार्य संख्या 32 (एनईपी पैरा 2.2) - केंद्रीय विद्यालय शिक्षण कक्षा 3- 5 के लगभग 11600 शिक्षकों ने निष्ठा 3.0 एफएलएन ऑनलाइन पाठ्यक्रम में दाखिला लिया है और लगभग 90% शिक्षकों ने एनसीईआरटी द्वारा डिजाइन और लॉन्च किए गए पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। निष्ठा 3.0 एफएलएन री-रनिंग कोर्स 1-12 दिनांक 31.05.2022 को पूरा कर लिया गया है। कक्षा I और II के लिए पहले से तैयार अवधारणा वार मॉड्यूल की समीक्षा की गई है और FLN ब्लॉग पर अपलोड किया गया है। कक्षा III के लिए मॉड्यूल तैयार करने का कार्य प्रगति पर है। ➢ कार्य संख्या 149 (एनईपी पैरा 5.8 - 5.14) – एनआईईपीए के विशेषज्ञों की मदद से शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों के लिए स्कूलों में अनुकूल अधिगम माहौल बनाने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए मॉड्यूल विकसित किए गए हैं। इन मॉड्यूल का उपयोग केन्द्रीय विद्यालय संगठन के क्षेत्रीय शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान द्वारा शिक्षकों और प्राचार्यों के आंतरिक प्रशिक्षण के दौरान किया जा रहा है। ➢ कार्य संख्या 153 (एनईपी पैरा 5.15 – 5.16 और 5.17 – 5.19) - केवीएस की अपनी प्रशिक्षण नीति है। एनईपी-2020 की सिफारिशों के साथ इसे संरेखित करने के लिए मौजूदा केवीएस प्रशिक्षण नीति की समीक्षा करने के लिए एनसीईआरटी के सदस्य सहित एक समिति का गठन किया गया है। शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों के प्रशिक्षण के लिए स्कूलों में अनुकूल अधिगम माहौल बनाने पर मॉड्यूल तैयार किए गए हैं और नियत समय में प्रकाशित किए जाएंगे। ➢ कार्य संख्या 85 (एनईपी पैरा 4.1 – 4.8) – केवीएस एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित किए जाने पर एनसीएफएसई के अनुसार सिफारिशों के साथ कार्य योजना तैयार करेगा। हालांकि, केवीएस ने अनुकूल शिक्षण वातावरण बनाने और शिक्षकों के निरंतर व्यावसायिक विकास के लिए मॉड्यूल भी तैयार किए हैं। इसका उपयोग शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों के प्रशिक्षण के ऑनलाइन/ऑफलाइन मोड के दौरान किया जा रहा है। ➢ कार्य संख्या 144 (5.2 – 5.7) – केवीएस वार्षिक हस्तांतरण के लिए नए स्थानांतरण सॉफ्टवेयर का विकास प्रक्रियाधीन है।

संगठन	गतिविधि
	➢ कार्य संख्या 178 (एनईपी पैरा 6-7 – 6-9) – पूर्व-विद्यालय अनुभाग को जोड़ने के लिए आकांक्षी जिलों में स्थित केवी, जिन मुद्दों पर विचार किया जाना है: ○ प्रवेश की आयु पर फिर से काम किया जाना है। ○ स्कूलों की पहचान-एकल बनाम कई सेक्शन। ○ मौजूदा केवी में बुनियादी ढांचे का उन्नयन। ○ प्रशिक्षित प्री-स्कूल शिक्षकों और सहायक कर्मचारियों की नियुक्ति। ○ बजटीय आवश्यकता। ➢ कार्य संख्या 231 (एनईपी पैरा 16.1 – 16.8) – व्यावसायिकता के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने और बच्चों की स्कूल अवधि के दौरान कौशल विकसित करने के लिए, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को कक्षा - VIII में सभी 1205 केवि में व्यावसायिक विषय के रूप में पेश किया गया। • कौशल हब पहल - केविसं ने देश भर में 300 केवी को व्यावसायिक शिक्षा हब के रूप में विकसित किया है और शिक्षा मंत्रालय और कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की स्किल हब पहल के तहत पायलट प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में स्कूल के समय के बाद स्कूल से बाहर/शिक्षा से बाहर के युवाओं के कौशल के लिए उपयोग किया जाएगा। 227 केवि ने दिनांक 30.05.2022 तक स्कूल से बाहर के उम्मीदवारों के लिए पाठ्यक्रम शुरू कर दिए हैं।
नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस)	**क.** नई शिक्षा नीति - 2020 कार्यान्वयन: स्किल हब पहल की स्थापना: नई शिक्षा नीति - 2020 के तहत जवाहर नवोदय विद्यालयों में दिनांक 31.05.2022 तक 90 स्किल हब पहलें क्रियाशील हैं। • **ख.** आजादी का अमृत महोत्सव: स्वतंत्रता के लिए भारत के संघर्ष पर लेखन गतिविधि: जेएनवी के छात्रों के लिए भारत के स्वतंत्रता संग्राम पर एक लेखन गतिविधि का आयोजन किया गया है जिसमें छात्रों को अपने क्षेत्र के ऐतिहासिक नायकों और स्थानों के बारे में लिखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। मई, 2022 के दौरान कुल 40 लेख (प्रत्येक क्षेत्र से सर्वश्रेष्ठ 5 लेख) प्राप्त हुए हैं। मेरा गांव मेरी धरोहरः "मेरा गांव, मेरी धरोहर" के तहत – एक जेएनवी एक परियोजना गतिविधि, 12 जेएनवी द्वारा अपने क्षेत्र के इतिहास, संस्कृति, जैव विविधता और महत्वपूर्ण व्यक्तित्वों को दर्शाते हुए परियोजनाएं प्रस्तुत की गई हैं। **ग.** अन्य गतिविधियां, कार्यक्रम और उपलब्धियां:

संगठन	गतिविधि
	• टॉयकैथॉन - 2021: 24 और 25 मई, 2022 को फरीदाबाद, हरियाणा में आयोजित टॉयकैथॉन - 2021 के भौतिक संस्करण के ग्रैंड फिनाले में जेएनवी त्रिशूर, केरल की टीम को विजेता घोषित किया गया है।
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी)	• *'भारतीय सांकेतिक भाषा का मानकीकरण'* - इस परियोजना के तहत, राष्ट्रीय स्तर के संकेतों को विकसित करने के लिए राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों से अलग-अलग क्षेत्रीय संकेतों के संग्रह के तरीके पर चर्चा करने के लिए 18 मई 2022 को एक आईएसएल कोर समिति की बैठक आयोजित की गई थी। इसके अलावा, 19-20 मई, 2022 तक आईएसएल पाठ्यक्रम के लिए एक मॉड्यूल लेखन कार्यशाला भी आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला में एकत्र किए गए सभी 6 मॉड्यूल के पहले ड्राफ्ट को अंतिम रूप देने के लिए समीक्षा की जा रही है। • *राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा का विकास* – इस कार्यक्रम के तहत इकतीस (31) राज्यों ने 3000 मोबाइल सर्वेक्षण के आधारभूत लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा किया। • *शिक्षार्थियों के लिए प्रौढ़ शिक्षा पर संसाधन/प्रचार सामग्री (ई-सामग्री) का विकास* – इस कार्यक्रम के तहत, सीएनसीएल, एनसीईआरटी में ऑनलाइन मोड के माध्यम से 2-6 मई, 2022 तक वयस्क शिक्षा पर वीडियो कार्यक्रमों के लिए ग्राफिक्स विकसित करने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।
शिक्षक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय परिषद (एनसीटीई)	• अध्यक्ष, एनसीटीई ने 19 मई 2022 को एनईपी 2020 के अनुरूप एनसीटीई द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों के संबंध में एनसीटीई के सभी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। सदस्य सचिव, एनसीटीई ने एनसीटीई के अधिकारियों के साथ इग्नू के कुलपति, इग्नू के साथ 20.5.2022 को इग्नू, नई दिल्ली में बैठक की और ओडीएल और ऑनलाइन मोड के माध्यम से बी.एड पाठ्यक्रम आयोजित करने, प्रवेश योग्यता के लिए पात्रता, सेवन में वृद्धि, क्रेडिट ट्रांसफर (स्वयं), ओईआर को साझा करने और आईटीईपी (ओडीएल) के लिए मानदंड और मानकों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। सदस्य सचिव, एनसीटीई ने एनसीटीई के अधिकारियों की टीम के साथ 25.05.2022 को एआईसीटीई, नई दिल्ली के अधिकारियों के साथ बैठक की और एक एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के माध्यम से पीएआर डेटा के विश्लेषण से संबंधित मामले पर चर्चा की। इस डेटा का उचित विश्लेषण एनसीटीई को टीईआई के प्रदर्शन की निगरानी करने और नीतियों को तैयार करते समय इस डेटा के आधार पर आगे के विश्लेषण में सक्षम करेगा। यह पूरी प्रक्रिया पूरी तरह से ऑनलाइन है जिसमें कोई मानव

संगठन	गतिविधि
	इंटरफ़ेस नहीं है।
केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएससी)	सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में युवा पर्यटन क्लबों का गठन। पर्यटन मंत्रालय ने भारतीय पर्यटन के युवा राजदूतों का पालन-पोषण करने और विकसित करने के लिए 'आज़ादिका अमृत महोत्सव' समारोह के एक हिस्से के रूप में 'युवा पर्यटन क्लब' की स्थापना शुरू की है, जो भारत में पर्यटन की संभावनाओं के बारे में जागरूक होंगे, और पर्यटन के लिए रुचि और जुनून विकसित करेंगे। पर्यटन मंत्रालय ने 'पर्यटन क्लबों के संचालन के लिए स्कूलों के लिए पुस्तिका' साझा की है जो विभिन्न गतिविधियों के संचालन के लिए विशिष्ट दिशानिर्देशों और सुझावों के साथ उद्देश्यों, परिचालन रणनीतियों को दोहराती है। स्कूलों को एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) कार्यक्रम के तहत संबद्ध गतिविधियों को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है जैसे भ्रमण, ऑनलाइन या ई-पर्यटन, युग्मित राज्य / संघ राज्य क्षेत्र में पेन पाल, युग्मित राज्य / संघ राज्य क्षेत्र की भाषा सीखना, भारत की विविधता के संपर्क में आना। • आज़ादी की अमृत कहानी - आज़ादी का अमृत महोत्सव के हिस्से के रूप में, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार ने महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण और स्थिरता आदि जैसे विभिन्न विषयों पर लघु वीडियो (लगभग **2** मिनट प्रत्येक) की एक श्रृंखला बनाई है। 'आजादी की अमृत कहानियां' शीर्षक वाली श्रृंखला शुरू की गई है और वीडियो का पहला सेट देश के विभिन्न हिस्सों से विविध पृष्ठभूमि और कार्य के क्षेत्रों में प्रेरणादायक महिला परिवर्तन निर्माताओं की कहानियों को प्रदर्शित करता है। ये वीडियो छोटे बच्चों, विशेषकर लड़कियों को आजादी का अमृत महोत्सव में सन्निहित आदर्शों के लिए प्रयास करने के लिए एक प्रेरणा के रूप में काम कर सकते हैं। स्कूलों को इन वीडियो को शिक्षकों और छात्रों के बीच साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस)	राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) ने 'मुख्यधारा की शिक्षा में भारतीय ज्ञान प्रणाली को आत्मसात करना' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया - विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान के सहयोग से 5-6 मई, 2022 को कल्याण सिंह सभागार, नोएडा में एनईपी 2020 का आदेश। • प्रोजेक्ट तेजस्विनी : किशोरियों और युवतियों का सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण- झारखंड के 17 जिलों की 5008 किशोरियों और युवतियों को मई, 2022 में इस कार्यक्रम के तहत नामांकित किया गया है। • शिक्षा सेवा प्रदाताओं, शैक्षणिक प्रशिक्षकों और मास्टर प्रशिक्षकों का पायलट

संगठन	गतिविधि
	परीक्षण पूरा हो गया है। • वाई-ब्रेक (योग ब्रेक) एमओई और आयुष के निर्देशों के तहत, एनआईओएस ने वाई-ब्रेक प्रोटोकॉल की शुरुआत की, जिसमें ब्रेक से पहले, सभी कर्मचारियों के लिए 15 मिनट का योग कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

ग. ईशासन के कार्यान्वयन की स्थिति-

इस विभाग में ईऑफिस पूरी तरह से क्रियान्वित है। सूचना-, संचार और लेनदेन का आदान-मेल के माध्यम से किया जाता है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से -ई/ऑफिस-प्रदान ई स्वायत्त संगठनों के साथ बैठकें आयोजित की जाती हैं।/अन्य मंत्रालयों/राज्य सरकारों